जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 28 नवंबर 2019

जामिया के प्रोफेसर, अमेरिका के एयरोस्पेस मेडिकल एसोसिएशन (एएसएमए) के फैलो चुने गए

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो मुन्ना खान को इंडियन एयर फोर्स के बेंगलुरु के इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएएम) के इंडियन सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन का फेलो चुना गया है।

उन्हें अमेरिका के फैलो ऑफ एयरोस्पेस मेडिकल एसोसिएशन (एएसएमए) के रूप में भी चुना गया है। अमेरिका के नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) सहित दुनिया के कुछ ही संस्थानों के वैज्ञनिकों को एएसएमए फेलोशिप मिली है।

प्रो खान ने 15 नवंबर, 2019 को एक पुरस्कार समारोह में आईएसएएम का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। आईएएम की आम सभा में एयर मार्शल एमएस बुटोला, महानिदेशक चिकित्सा सेवा (एआईआर) ने फेलो प्रमाण पत्र वितरित किए।

उन्होंने, 14 से 16 नवंबर 2019 को आयोजित आईएसएएम की वार्षिक बैठक में अपना शोधपत्र भी रखा जिसका शीर्षक है: ‘‘ एसेस्मेंट आॅफ कैरोटिड ब्लड फ्लो यूज़िंग पीज़ोएलेक्ट्रिकल सेंसर डयूरिंग ग्रेविटी इंड्यूस्ड आर्थोस्टेटिक स्ट्रेस ‘‘।
आईएसएएम एक पेशेवर संगठन है, जिसमें एयरोस्पेस मेडिसिन, साइकोलॉजी, मेडिसिन, फिजियोलॉजी, न्यूरोसाइकियाट्री, बायोफिज़िक्स, लाइफ साइंसेज, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी और संबद्ध क्षेत्रों में विशेषज्ञ शामिल हैं।

सोसायटी का उद्देश्य भारतीय वायु सेना के लिए ज्ञान का प्रसार करने के साथ, जांच को प्रोत्साहित करके एयरोस्पेस मेडिसिन विज्ञान को बढ़ावा देना है।

नासा अमेरिका की संघीय सरकार की एक स्वतंत्र एजेंसी है जो नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ-साथ

एयरोनॉटिक्स और एयरोस्पेस अनुसंधान करती है। नासा अमेरिका के एएसएमए का कॉर्पोरेट सदस्य है। किसी को ए एस एम ए का फैलो बनाना, इस संगठन के उच्चतम स्तर की सदस्यता देने का सम्मान है। इसके फैलो का चयन उन सक्रिय सदस्यों में से किया जाता है, जिन्होंने एयरोस्पेस मेडिसिन, एयरोनॉटिक्स, एस्ट्रोनॉटिक्स, अंडरसी मेडिसिन या पर्यावरण स्वास्थ्य के क्षेत्रों के उत्कृष्ट शोध में योगदान दिया हो।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक